RNINO. DDHIN/ 2021/81605 | संघ प्रदेश दमण से प्रकाशित एवं दानह तथा वापी-वलसाड में वितरीत होने वाला एकमात्र हिंदी साप्ताहिक | DARE TO SHARE

डेयर टू शेयर

www.daremedia.in

दमण से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक
'डेयर टू शेयर' में प्रेस नोट, विज्ञापन के लिए संपर्क करें
9898109815/8000360011
dare.media24x7@gmail.com

मालिक/प्रकाशक : संध्या चौहान II संपादक : मनोज रावल II उप संपादक : तुषार चौहान II वर्ष : 4 II अंक : 5 II दमण, गुरुवार, 29 अगस्त से 4 सितंबर 2024 II पृष्ठ : 4 II मुल्य 4 रुपए
E mail: dare.media24x7@gmail.com

उमरगांव में दिल दहला देने वाली दरिंदगी

3 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म, आरोपी को महाराष्ट्र फरार होने से पहले पकड़ लिया गया, उमरगांव में तनाव की स्थिति, आक्रोशित भीड़ ने वाहन जलाएं, पुलिस का कड़ा बंदोबस्त तैनात, स्थिति अब नियंत्रण में

फास्ट्रैक कोर्ट में केस चलाकर आरोपी को जल्द से जल्द सख्त सजा दिलाने का पुलिस से आश्वासन

डेयर टू शेयर (संवाददाता)

उमरगांव। वलसाड जिला पुलिस प्रशासन से जारी प्रेस नोट के अनुसार 27 अगस्त 2024 की दोपहर साढ़े तीन बजे के करीब उमरगांव के देवधाम विस्तार में स्थित एक चाली में 3 साल 3 माह की बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने की शिकायत बच्ची के परिजनों ने उमरगांव पुलिस थाने में दर्ज कराई थी। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए जिला पुलिस अधिक्षक डॉ करजणराज वाघेला तुरंत मौके पर पहुंचे। इसके बाद उनके मार्गदर्शन में पीड़ित बच्ची के परिजनों की शिकायत को दर्ज कर जांच के लिए वलसाड जिला पुलिस की क्राइम ब्रांच, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप, तथा जिले के कुछ अधिकारियों की अलग-अलग टीम बनाई गई और चंद घंटों में ही महाराष्ट्र में फरार होने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में पुलिस ने पीड़ित बच्ची का मेडिकल कराया है, जबकि बच्ची का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रेस नोट के अनुसार इस मामले में आरोपी को सख्त से सख्त सजा हो इसलिए डिप्टी पुलिस अधिक्षक वापी की अध्यक्षता में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप टीम का गठन किया गया है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जांच के दौरान वैज्ञानिक, फॉरेंसिक, मेडिकल तथा सांयोगिक सबूतों को एकत्रित कर चार्जशीट पेश करते हुए फास्ट्रैक कोर्ट में इस मामले को चलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मिलेनियम मार्बल में लोडिंग-अनलोडिंग करते क्रेन का हूक टूटा, मार्बल का पत्थर गिरने से श्रमिक की मौत

दानह में बढ़ते औद्योगिक हादसों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता, श्रम विभाग और फैक्ट्री इंसपेक्टर द्वारा सख्ती से कार्रवाई नहीं होने पर बुलंद होजा ता रहा है औद्योगिक संचालकों का हौसला

प्रशासक प्रफुल पटेल द्वारा औद्योगिक हादसों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता

डेयर टू शेयर (संवाददाता)

सिलवासा। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली के औद्योगिक विस्तार में दिन ब दिन हादसों की संख्या बढ़ती जा रही है। जिसमें अनेकों बेकसूर श्रमिक या तो अपनी जान गंवा रहे है या फिर गंभीरावस्था में घायल होकर जिंदगी और मौत के बीच इलाज करवा रहे है। इसे स्थानीय श्रम विभाग के अधिकारियों की लापरवाही कहें, या फिर औद्योगिक संचालकों की मनमानी। उद्योगों में श्रमिक सुरक्षा के नियमों का सरेआम उल्लंघन होने पर आए दिन अनेकों उद्योगों में दर्दनाक हादसे सामने आ रहे है। इसी क्रम में अथाल स्थित मिलेनियम मार्बल कपंनी भी इसी तरह का दर्दनाक हादसा तब हुआ जब कंपनी प्रबंधन द्वारा अपनी मशीनरी उपकरणों का समय समय पर रखरखाव नहीं किया था। इस कंपनी में मार्बल पत्थर की लोडिंग-अनलोडिंग करते समय हादसा तब हुआ तब अचानक क्रेन का हूक टूट गया। हूक टूटने के बाद उसके बंधा हुआ मार्बल का पत्थर तुरंत ही नीचे गिर पड़ा, जिसके नीचे दबने से एक मजदूर की बेरहती से मौत हो गई है।

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली के अथाल स्थित मिलेनियम मार्बल कंपनी की यूनिट कर्गवाल एंटरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड नामक इकाई में इसी हफ्ते हुए एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। कंपनी में मार्बल का पत्थर लोडिंग-अनलोडिंग करते समय अचानक क्रेन का हूक टूटने के बाद एक भारी भरकम पत्थर की चपेट में आने से एक मजदूर को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा है। हादसे में मौके पर ही मजदूर की मौत हो जाने के बाद कंपनी प्रबंधन की लापरवाही सरेआम उजागर हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मूल रूप से मध्य प्रदेश तथा वर्तमान में अथाल में रहकर मिलेनियम मार्बल नामक कंपनी के कर्गवाल एंटरप्राइजेस प्राइवेट लिमिटेड नामक इकाई में काम करने वाले राजू परमार नामक मजदूर मार्बल पत्थर की लोडिंग-अनलोडिंग का काम करता था। इस दौरान अचानक किसी कारणवश क्रेन में लगाया गया हूक टूट गया जिसके बाद मार्बल पत्थर का टूकड़ा राजू पर गिर गया। इस हादसे के बाद राजू परमार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना तुरंत नरोली पुलिस को दी गई। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पीएम कराने की कार्रवाई करते हुए इस मामले में केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। इस हादसे में कंपनी प्रबंधन की लापरवाही स्पष्ट रूप से सामने आई है, अगर कंपनी के उपकरणों का समय-समय पर मरम्मत का काम करवाया जाता तो शायद इस तरह के हादसे में बेकसूर श्रमिक की जान नहीं जाती। वहीं सूज्ञ लोगों का कहना है कि दानह श्रम विभाग के अधिकारी और फैक्ट्री इंसपेक्टर द्वारा समय समय पर इस तरह लापरवाही बरतने वाले उद्योगों की जांच पड़ताल होनी चाहिए। उद्योगों में सुरक्षा नियमों का सही में पालन हो रहा है या नहीं आदी की जांच करने के बाद लापरवाह उद्योग प्रबंधन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर इस तरह के हादसों में मौत की भेंट चढ़ने वाले बेकसूर श्रमिकों की जान बचाई जा सकती है। लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं हो पा रहा है। एक के बाद एक अनेकों उद्योगों में हादसों का सिलसिला अनवरत जारी है। कभी मजदूर की मौत हो जा रही है तो कभी मजदूर घायल होकर जिंदगी और मौत के बीच किसी निजी अस्पताल में इलाज करवा रहा है। उद्योगों संचालकों और श्रमिक ठेकेदारों द्वारा श्रमिक हितों और उनकी सुरक्षा के लिए सरेआम लापरवाही बरती जा रही है। इस तरह के हादसों में अनेकों मजदूरों को न तो पीएफ की सुविधा मिलती है और न ही हादसे के बाद उनकी कभी सुध ली जा रही है। ऐसे में सूज्ञ लोगों का कहना है कि दानह श्रम विभाग और फैक्ट्री इंसपेक्टर द्वारा अगर समय समय पर उद्योगों की जांच पड़ताल की जाती है तो निश्चित रूप से हादसों की संख्या पर लगाम लगाया जा सकता है। लोगों का कहना है कि अगर श्रम विभाग के अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का सही मायने में निर्वहन करते है तो उद्योगों में श्रमिक सुरक्षा के नियमों को सख्ती से लागू किया जा सकता है और इसके बाद उद्योगों में घटित होने वाले हादसों पर भी लगाम लगाया जा सकता है। लेकिन न तो श्रम अधिकारी श्रमिक सुरक्षा के नियमों को गंभीरता से ले रहे है और ही फैक्ट्री इंसपेक्टर द्वारा नियमित विजीट कर उद्योगों में स्थापित उपकरणों की बारीकी से जांच हो पा रही है, जिसका फायदा उठाकर कंपनी के संचालकों द्वारा सरेआम मनमानी की जा रही है। इससे पहले भी आमली स्थित अन्नपूर्णा प्लास्टिक नामक कंपनी में भी इसी तरह अल सुबह के समय जब मजदूर अपना नियमित काम कर रहे थे तभी अचानक लोहे का शेड़ उनके ऊपर गिर पड़ा था। तब इस कंपनी के संचालक द्वारा इस हादसे को छुपाने के लिए न तो पुलिस को सूचित किया गया और न ही श्रम विभाग को इसकी जानकारी दी गई। जबकि यहां तक की हादसे के बाद घायलों को सिलवासा के श्री विनोबा भावे सिविल अस्पताल में भर्ती कराने की बजाए वापी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसी तरह आमली में ही सी के प्लास्टिक नामक कंपनी में भी दर्दनाक हादसा हो चुका है। यहां पर भी हादसा होने पर मामले को छुपाने के लिए घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और मामले को रफा दफा करने का प्रयास करते हुए इस घटना को पुलिस से भी छुपाकर रखा गया। ऐसे अनेक उद्योग प्रदेशभर में है, जिन पर सख्ती से कार्रवाई होना जरूरी है।

संपादकीय

छत्रपति प्रतिमा का ढहना शासन-तंत्र की भ्रष्टता का प्रमाण...

सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं।

मराठा पहचान और परम्परा के प्रतीक पुरुष, प्रथम हिन्दू नेता छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में की गयी 35 फीट ऊंची प्रतिमा का थरथरा कर गिर जाना राष्ट्रीय शर्म एवं प्रशासनिक भ्रष्टाचार का दुःखद अध्याय है। इस तरह हमारे एक महानायक की महान स्मृतियों से जुड़ी इस प्रतिमा का गिरना एवं ध्वस्त होना सरकार में गहरे पैठ चुके भ्रष्टाचार, लापरवाही एवं रिश्वतखोरी को उजागर करता है। आजादी के अमृत-काल में पहुंचने के बाद भी भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, बेईमानी हमारी व्यवस्था में जिस तीव्रता से व्याप्त है, उसका यह एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सरकार की साख को धुंधला रही है, यह घटना भारतीय नौसेना की साख को भी बट्टा लगा रही है, यह घटना इसलिए भी गंभीर चिंता की बात है कि इससे हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की कलई खुल गई है। गौर कीजिए, इस प्रतिमा के निर्माण पर करीब 3,600 करोड़ रुपये की लागत आई थी और इसी 4 दिसंबर को नौसेना दिवस पर इसका अनावरण किया गया था।

सिंधु दुर्ग में शिवाजी महाराज की इस प्रतिमा के गिर जाने से महाराष्ट्र की राजनीति में उबाल आना स्वाभाविक है, इससे लोगों का आहत होना भी उचित हैं। क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज महाराष्ट्र के महानायक एवं जन-जन की आस्था के केन्द्र हैं। वे महाराष्ट्र के जीवन का अभिन्न अंग हैं एवं वहां की राजनीति उनके नाम के इर्द-गिर्द घूमती है। महाराष्ट्र ही नहीं सम्पूर्ण देश में शिवाजी महाराज के प्रशंसक हैं। मराठों के अस्तित्व एवं अस्मिता के वे प्राण रहे हैं, मराठों को उन्होंने ने ही लड़ना सिखाया, उनके जीवन को उन्नत बनाया। उन्होंने बिना किसी भेदभाव के महाराष्ट्र की सभी जातियों को एक भगवा झंडे के नीचे एकत्रित किया और मराठा साम्राज्य की स्थापना की। शिवाजी ने अपने राज्य-शासन में मानवीय नीतियां अपनाई थी जो किसी धर्म पर आधारित नहीं थी। महाराष्ट्र क्योंकि उनकी जन्मस्थली ही नहीं कर्मस्थली भी रहा इसलिए महाराष्ट्र की आबोहवा में वे आज भी जीवंत हैं। ऐसे महानायक की प्रतिमा के गिर जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में तूफान खड़ा हो गया है। मूर्ति का निर्माण और डिजाइन नौसेना ने तैयार किया था। कहा तो यही जा रहा है कि 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं के कारण प्रतिमा टूटकर गिर गई।

छत्रपति शिवाजी के महाराष्ट्र और मराठा संस्कृति के ही नहीं, बल्कि भारतीयता के प्रतीक एवं प्रेरणा पुरुष हैं। आम मराठी भावनात्मक रूप से उनसे जुड़ा है। ऐसे में, इस मूर्ति का ढहना राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार एवं भारतीय नौसेना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करती है। चंद महीने बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने के कारण यह एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनना निश्चित है। एक मजबूत विपक्षी पार्टी शिव सेना की पूरी राजनीति शिवाजी के शौर्य व आत्म-गौरव से प्रेरित है, एनसीपी शरद पवार, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने एकनाथ शिंदे सरकार को निशाना बनाना शुरू कर दिया है और आरोप लगाया है कि छत्रपति शिवाजी का स्मारक चुनावों को देखते हुए जल्दबाजी में बनाया गया था और इस काम में गुणवत्ता को पूरी तरह से अनदेखा किया गया। प्रतिमा का ढह जाना छत्रपति शिवाजी का अपमान तो है ही और यह जाहिर है कि इसका काम घटिया गुणवत्ता का था। इसीलिये घटना को शिवाजी के अपमान के रूप में पेश किया जाने लगा है। चुनाव की सरगर्मियों के बीच शिवाजी की प्रतिमा का मुद्दा चर्चा में आ गया है। इस मुद्दे को वोट जुटाने के लिए असरदार हथियार के रूप में जरूर इस्तेमान किया जायेगा। लेकिन मूल प्रश्न है ऐसे भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में कब सार्थक प्रयास होंगे? राज्य की एकनाथ शिंदे सरकार को इस मामले में त्वरित कार्रवाई करके दोषियों को कड़ी सजा दिलानी चाहिए, ताकि न सिर्फ विपक्ष के आरोपों की धार को निस्तेज किया जा सके, बल्कि सार्वजनिक निर्माण में किसी किस्म की लापरवाही या उदासीनता बरतने वालों को भी यह संदेश मिल सके कि वे बख्शे नहीं जाएंगे।

यह पहली घटना नहीं है, जिसमें किसी बड़ी निर्माण योजना की कमी इस तरह की भ्रष्ट एवं लापरवाही के रूप में उजागर हुई है। हमारे सार्वजनिक निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बार-बार तार-तार होती रही है। मई 2023 में उज्जैन के महालोक कोरिडोर में लगी सप्तऋषियों की मूर्तियां भी इसी तरह आंधी-तूफान में धराशायी हो गई थीं। अयोध्या में भी सड़के ध्वस्त हो गयी थी। बिहार में एक पखवाड़े के भीतर लगभग एक दर्जन छोटे-बड़े पुलों के ध्वस्त होने की घटनाएं हैरान करने के साथ-साथ चिंतित करने वाली बनी हैं। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर टर्मिनल-1 पर छत गिरने की घटना से भी हर कोई हैरान हुआ है। मुंबई में घाटकोपर का होर्डिंग गिरना 14 लोगों की मौत का कारण बना था। कहीं नई बनी सड़कें धंस हो जाती हैं तो कहीं नई सरकारी इमारतों में दरारे पड़ जाती है। इन मूर्तियों, पुलों, सड़कों एवं सार्वजनिक निर्माण के अन्य सरकारी निर्माणों के ध्वस्त होने की घटनाओं ने एक बार फिर यही साबित किया है कि निर्माण कार्यों में फैले व्यापक भ्रष्टाचार और शासन तंत्र में बैठे लोगों की मिलीभगत के बीच ईमानदारी, नैतिकता, जिम्मेदारी या संवेदनशीलता जैसी बातों की जगह नहीं है। आज हमारी व्यवस्था चरमरा गई है, दोषग्रस्त हो गई है। उसमें दुराग्रही इतना तेज चलते हैं कि ईमानदारी बहुत पीछे रह जाती है। जो सद्प्रयास किए जा रहे हैं, वे निष्फल हो रहे हैं। प्रतिमाएं हो या पुल-इनके गिरने से जितने पैसों की बर्बादी होती है, उसकी भरपाई आखिर किससे कराई जाएगी? जाहिर है, इनकी वजहों को समझने के लिए किसी मजबूत, पारदर्शी एवं निष्पक्ष तंत्र की जरूरत है। निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता से समझौता और राजनीतिक दबाव में जल्द से जल्द कार्य पूरा करने की प्रवृत्ति ने ऐसी दुर्घटनाओं की गति एवं मात्रा बढ़ाई है। इसके लिए समूचे तंत्र को अपनी कार्य-संस्कृति पर भी गौर करने की जरूरत है। शिवाजी की प्रतिमा के तेज हवा में यूं ढह जाने से हमें सबक सीखने की जरूरत है।

नुपूर शर्मा के बाद कंगना, BJP का सबका विश्वास अपनों पर ही नहीं, ये कदम भक्तों को भी नहीं आ रहा रास

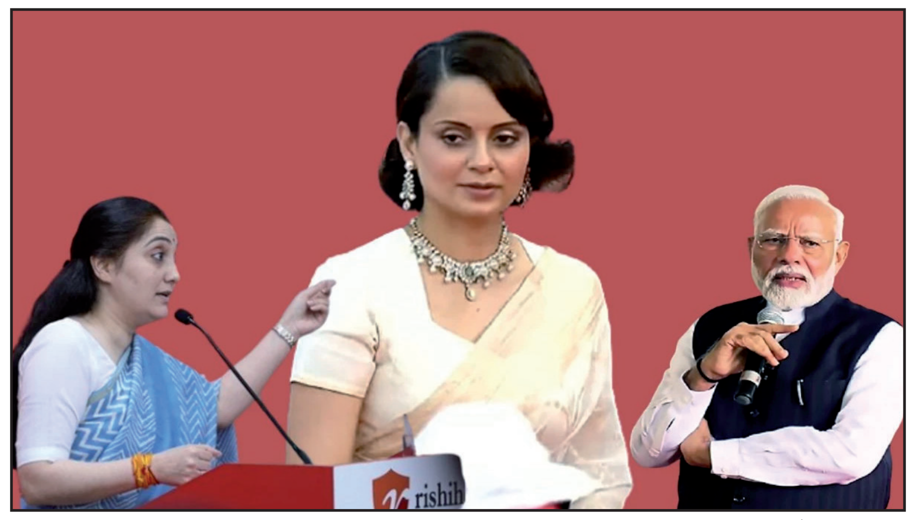

आज के इस एमआरआई स्कैन में बताएंगे कि कंगना ने ऐसा क्या बयान दिया, जिस पर हंगामा मचा है। क्या कंगना को भी नुपूर शर्मा की तरफ बीजेपी किनारे लगा देगी। कंगना के इस बयान का आने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव में क्या असर हो सकता है?

भाजपा सांसद कंगना रनौत को किसान आंदोलन को लेकर बयान देना भारी पड़ गया है। भाजपा ने कंगना के बयान से किनारा कर लिया है और इसके साथ ही उन्हें सख्त निर्देश भी जारी किया है। बीजेपी की ओर से जारी किए गए नोटिस में कहा गया है कि पार्टी की ओर से पार्टी के नीतिगत विषयों पर बोलने के लिए कंगना रनौत को न तो अनुमति है और न ही वो बयान देने के लिए अधिकृत हैं। भाजपा की ओर से कंगना को निर्देशित किया गया है कि वो इस प्रकार के कोई बयान भविष्य में न दे। वहीं कंगना के इस बयान के बाद बीजेपी पर कांग्रेस हमलावर हो गई है। आज के इस एमआरआई स्कैन में बताएंगे कि कंगना ने ऐसा क्या बयान दिया, जिस पर हंगामा मचा है। क्या कंगना को भी नुपूर शर्मा की तरफ बीजेपी किनारे लगा देगी। कंगना के इस बयान का आने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव में क्या असर हो सकता है?

कंगना ने ऐसा क्या कहा, बीजेपी को पल्ला झाड़ना पर गया

अपनी आगामी फिल्म इमरजेंसी के प्रचार कार्यक्रमों में से एक के दौरान, कंगना रनौत ने किसान विरोध के दौरान अपने कार्यों के लिए केंद्र सरकार की प्रशंसा की। उन्होंने तर्क दिया कि अगर नेतृत्व (मोदी सरकार) निर्णायक और मजबूत नहीं होता तो किसानों के विरोध से भारत में बांग्लादेश जैसा संकट पैदा हो सकता था। हैरानी की बात यह है कि कथित किसान नेता राकेश टिकैत ने हाल ही में यही धमकी दी थी। उन्होंने इस बातचीत का एक वीडियो भी अपने ऑफिशियल पर शेयर किया है। वीडियो में कंगना रनौत को यह कहते हुए सुना जा सकता है, बांग्लादेश में जो हुआ, वह यहां भी आसानी से हो सकता था। अगर हमारी लीडरशिप कमजोर होती तो देश में बांग्लादेश जैसी स्थिति हो सकती थी। सभी ने देखा कि किसान आंदोलन के दौरान क्या हुआ था। प्रदर्शन की आड़ में हिंसा फैलाई गई। वहां बलात्कार हो रहे थे। लोगों को मारकर लटकाया जा रहा था। इस स्थित में भारत में बांग्लादेश जैसी स्थिति हो सकती थी। केंद्र सरकार ने जब कृषि कानूनों को वापस लिया तो सभी प्रदर्शनकारी चौंक गए। इस आंदोलन के पीछे एक लंबी प्लानिंग थी। कंगना ने विरोध प्रदर्शन जारी रखने के लिए निहित स्वार्थों और विदेशी शक्तियों की भी आलोचना की, जब सरकार ने तीन किसान कानूनों को वापस ले लिया जो प्रदर्शनकारी किसानों की प्रमुख मांग थी।

बीजेपी ने चेताया

किसान आंदोलन पर कंगना का बयान पार्टी का मत नहीं है। उन्हें पार्टी की ओर से, नीतिगत विषयों पर बोलने की न तो अनुमति है, न ही वह बयान देने के लिए अधिकृत हैं। यह भविष्य में भी ऐसे कोई बयान न दें। चिट्ठी में आगे लिखा गया की पार्टी की ओर से कंगना रनौत को निर्देशित किया गया है कि वह इस प्रकार के बयान भविष्य में ना दें।

किसान संगठन नाराज

ऑल इंडिया किसान सभा ने कंगना रनौत के बयान की निंदा की और कहा कि किसान आंदोलन पर अपमानजनक बातें कहने की उनकी आदत हो गई है। हमारी मांग है कि अपनी पार्टी के सांसद के अपमानजनक बयान पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी माफी मांगें। यह पीएम का संवैधानिक दायित्व है। सरकार कंगना के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज करे, नहीं तो किसान सार्वजनिक तौर पर कंगना रनौत का बहिष्कार करने को बाध्य होंगे।

कांग्रेस ने साधा निशाना

कांग्रेस ने कहा कि अगरं सत्तारूढ़ दल बीजेपी अपनी सांसद की टिप्पणियों से असहमत है तो उन्हें पार्टी से बाहर करे। सरकार को कंगना के इस दावे पर स्पष्टीकरण देना चाहिए कि अमेरिका और चीन देश के अंदर अस्थरिता की साजिश रच रहे थे। हरियाणा का चुनाव का नजदीक है और पता है कि बीजेपी हारने जा रही है। ऐसे में बीजेपी ने बयान जारी कर कंगना की टिप्पणियों से असहमति जताई है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत का विवादित बयान भाजपा की किसान विरोधी नीति एवं नीयत का एक और सबूत है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि किसानों से किए वादों को पूरा करने में नाकाम मोदी सरकार का दुष्प्रचार तंत्र लगातार किसानों का अपमान करने में जुटा हुआ है।

बीजेपी को यूजर्स कर रहे ट्रोल

कंगना रनौत मामले को नूपुर शर्मा वाले मामले से जोड़ते हुए यूजर्स बीजेपी को ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने एक्स पर लिखा कि बीजेपी ने नूपुर शर्मा को तब धोखा दिया जब उन्होंने एक साहसिक (लेकिन सत्ता बयान) दिया। बीजेपी ने अब कंगना रनौत से भई पल्ला झाड़ लिया। क्या आप इस पर बीजेपी के रुख का समर्थन करते हैं या कंगना रनौत का? एक अन्य यूजर ने बीजेपी को ट्रोल करते हुए कहा कि जैसे बीजेपी ने नूपुर शर्मा को छोड़ा था। उसी तरह से बीजेपी ने कंगना रनौत से भी किनारा कर लिया है।

हरियाणा विधानसभा पर क्या असर

दूध का जला छाछ भी फूंक फूंक कर पीता है। किसान आंदोलन की वजह से पांच सीटों का नुकसान झेल रही बीजेपी विधानसभा चुनाव में ऐसी कोई गलती नहीं दोहराना चाहती है। हरियाणा में जाट वोट 25 फीसदी है। यानी हरियाणा में चार में से एक वोट जाट समुदाय से आता है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को पांच सीट का नुकसान देखने को मिला था़ इसके पीछे जाट वोटर्स की नाराजगी थी। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 27 फीसदी जाट वोट मिला और 23 फीसदी वोटों का नुकसान झेलने को मिला। इससे इतर कांग्रेस को 64 फीसदी जाट वोट मिला और 31 फीसदी का फायदा हुआ। हरियाणा में 90 विधानसभा सीटों में से 36 पर जाट वोट निर्णायक भूमिका अदा करते हैं।

फिल्म के बदले सेक्स, सिनेमा के डर्टी पिक्चर की कलई खोलती 235 पन्नों की रिपोर्ट, जिसने 17 इस्तीफें करवा दिए

आखिर जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट में ऐसा क्या है? इस रिपोर्ट से मलयाली सिनेमा के बड़े नामों के बारे में क्या पता चला है, मलायम फिल्म इंडस्ट्री पर इसका क्या असर देखने को मिल रहा है।

"उन्होंने मुझे होटल में बुलाया था। जब मैं वहां गई तो मुझे ऐसा नहीं लगा कि उनकी सोच ऐसी होगी। मुझे बाद में ये पता चला कि जिस फिल्म के बारे में बताया गया है, वो अस्तित्व में नहीं थी। उस होटल में मेरा यौन शोषण किया गया। ये एक जाल था। अब वो जो भी कह रहे हैं झूठ है। उसने मेरे अलावा औरों के साथ भी ऐसा किया है।"

"वो पहला व्यक्ति था जिसने ये कोशिश की। एक फिल्म की शूटिंग के दौरान जब मैं वॉशरूम में थी तो उसने मुझे पीछे से आकर पकड़ लिया और फिर किश किया। जिसके बाद मैं वहां से बच कर भाग गई। ये मेरी पहली फिल्म थी। मैं समझ ही नहीं पा रही थी कि ये सब कैसे हो गया। जिसके बाद जय सूर्या ने मुझे अपने फ्लैट पर बुलाया लेकिन मैं नहीं गई।"

फिल्म इंडस्ट्री वो जगह जहां काम करने का सपना कई लड़कियां देखती हैं। भले ही ये इंडस्ट्री बहुत ग्लैमर और चमक-धमक भरी हो लेकिन इस पर कई तरह के आरोप अक्सर लगते रहे हैं। चाहे वो कास्टिंग काउच हो नैपोटिज्म हो या फिर सेक्सुअल फेवर की डिमांड। कई कलाकारों की तरफ से सेक्सुअल फेवर वाली शिकायत या यूं कहें कि आरोप लगाते रहे हैं। ये बात जितनी तेजी से उठती है उतनी ही तेजी से दब भी जाती है। लेकिन अब एक बार फिर से ये बातें उठने लगी है। हेमा कमेटी की रिपोर्ट ने मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के उस काले सच को उजागर किया है जिसकी चर्चा अक्सर दबी जुबान में होती रही है। रिपोर्ट सामने आने के बाद से सोशल मीडिया से लेकर सड़क तक बवाल मचा हुआ है। हेमा कमेटी के खुलासों के बाद दो अभिनेत्रियों ने यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए हैं। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की कुछ कलाकारों ने हैरान करने वाले खुलासे के जरिए बताया कि फिल्म में रोल पाने के लिए उन्हें क्या क्या करना पड़ता है। आखिर जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट में ऐसा क्या है? इस रिपोर्ट से मलयाली सिनेमा के बड़े नामों के बारे में क्या पता चला है, मलायम फिल्म इंडस्ट्री पर इसका क्या असर देखने को मिल रहा है।

235 पन्नों की रिपोर्ट, 17 इस्तीफे

मलयालम फिल्म जगत के काले चिट्ठे खोलती 235 पन्नों की रिपोर्ट पिछले दिनों पेश हुई। इसे जस्टिस के हेमा के नेतृत्व में बनी कमेटी ने तैयार किया था। ये बताती है कि मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कैसे सुनियोजित तरीके से महिलाओं का शोषण और यौन शोषण किया जाता है। कमेटी ने इंडस्ट्री की कुछ ऐसी महिलाओं से बात की जिनकी उम्र 30 साल से कम है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अलग अलग स्तर पर काम किया। उस दौरान शोषण झेला। मलयालम मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशन यानी एएएमएमए की 17 सदस्यों की टीम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अभिनेता मोहनलाल साउथ सिनेमा के फेमस एक्टर हैं। हिंदी फिल्मों में आप उन्हें कंपनी और राम गोपाल वर्मा की आग जैसी फिल्मों में देख चुके हैं। उन्हीं मोहनलाल की अध्यक्षता वाले संगठन के 17 सदस्यों ने नैतिकता के आधार पर ये इस्तीफा दिया। नई गवर्निंग बॉडी का गठन जल्द किया जाएगा। इसके लिए दो महीने के भीतर बैठक बुलाई जाएगी।

अभिनेत्री की किडनैपिंग, वुमन इन सिनेमा कलेक्टिव की मुहिम

2010 के दौर में मलयाली सिनेमा के खिलाफ आवाज उठनी शुरू हो गई थी। फरवरी 2017 में मलयाली फिल्म की एक लीड एक्ट्रेस को किडनैप करके उन्हें यौन उत्पीड़न का शिकार बनाया गया। ये केस अब भी कोर्ट में लंबित है। इस केस में एक्ट्रेस ने मलयाली फिल्मों के बड़े एक्टर दिलीप को भी आरोपी बनाया। इस केस के बाद कोच्चि में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न के विरोध में 18 महिलाओं ने एक संगठन बनाकर उसका नाम वुमन इन सिनेमा कलेक्टिव रखा। सभी ने मिलकर पीड़ित महिलाओं को इंसाफ दिलाने की मुहिम शुरू की। इस संगठन के दबाव में आकर केरल सरकार ने हाई कोर्ट की रिटायर्ड जज के हेमा के नेतृत्व में तीन मेंबर्स की कमेटी बनाई। के हेमा के अलावा इसमें मलयाली फिल्मों की एक्ट्रेस शारदा और पूर्व आईएएस अधिकारी केबी वलसाला कुमार भी थे। कमेटी ने मलयाली इंडस्ट्री के कई महिलाओं से बात की और उस आधार पर 2 साल में एक रिपोर्ट तैयार कर उसे केरल सरकार को सौंप दी। पांच साल बाद अगस्त 2024 में इस रिपोर्ट को पब्लिक किया गया। लेकिन तब भी उसमें 55 पन्नें गायब थे। हालांकि सरकार ने महिलाों की पर्सनल बातों को गोपनीय रखने की दलील देते हुए इस पर सफाई दी है।

हेमा कमेटी की रिपोर्ट में क्या आया सामने

जानी-मानी अभिनेत्रियों से लेकर जूनियर कलाकारों तक, कम से कम 80 महिलाओं की गुमनाम गवाही दर्ज करने के बाद रिपोर्ट को सरकार को सौंपा गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला कलाकारों को उत्पीड़न का सामना करना पड़ा, जिसमें फिल्म उद्योग में नशे में धुत व्यक्तियों द्वारा उनके कमरों के दरवाजे खटखटाने की घटनाएं भी शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि यौन उत्पीड़न की शिकार कई महिलाएं डर के कारण पुलिस में शिकायत करने से कतराती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जो महिला कलाकार समझौता करने के लिए तैयार होती हैं, उन्हें कोड नाम दे दिए जाते हैं और जो समझौता करने के लिए तैयार नहीं होतीं, उन्हें काम नहीं दिया जाता है। सिनेमा में अभिनय या कोई अन्य काम करने का प्रस्ताव महिलाओं को यौन संबंधों की मांग के साथ दिया जाता है। जैसा कि मैंने पहले ही बताया है, महिलाओं से समझौता करने के लिए कहा जाता है, जिसके तहत उनसे यौन संबंध बनाने की मांग की जाती है। पिनाराई विजयन की सरकार ने आरोपों की जांच के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का सात सदस्यीय पैनल बनाया।

तेजी से बढ़ती मलयाली इंडस्ट्री ने इस साल 1000 करोड़ का बिजनेस किया

एक दशक पहले तक अगर हम मलयाली सिनेमा की बात करते तो इसे रीजनल सिनेमा की श्रेणी में रखा जाता। लेकिन आज मलय़ाली सिनेमा के कलाकारों के नाम हिंदी सिनेमा में फेमस हो चुके हैं चाहे वो दुलकर सलमान, मोहनलाल, ममुटी, फहाद फासिल ये वो कुछ नाम हैं जो ओटीटी के चलन के बाद इन्होंने हिंदुस्तान और इसके बाहर भी बड़ा नाम बना लिया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो स्टैटिस्टा की वेबसाइट के मुताबिक साल 2022 में मलयालम फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर 633 करोड़ और 2023 में 572 करोड़ की कमाई की है। 2023 में देश के कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में पांच प्रतिशत का योगदान मलयाली सिनेमा का था। इस साल सिर्फ आठ महीने के भीतर मलयाली फिल्मों ने हजार करोड़ का बिजनेस कर लिया। यानी एक तेजी से बढ़ती हुई इंडस्ट्री दिन प्रतिदिन अपने रीच को बढ़ा रही है।

दानह के दूधनी एवं करचोंड में सरकार आपके द्वार शिविर का आयोजन, 3 दिन के शिविर में 934 लाभार्थियों ने आवेदन किया

डेयर टू शेयर, संवाददाता,

सिलवासा। दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के माननीय प्रशासक श्री प्रफुलभाई पटेल के कुशल मार्गदर्शन में जिला दादरा एवं नगर हवेली के दुधनी ग्राम पंचायत के गाँव दुधनी एवं करचोंड के लिए 24/08/2024, 25/08/2024 एवं 27/08/2024 को "सरकार आपके द्वार" कैंप रखा गया। "सरकार आपके द्वार" कैंप में दुधनी ग्राम पंचायत की आम जनता के लिए १३ विभिन्न विभाग जैसे मामलातदार, ग्राम पंचायत दुधनी, गैस कनेक्शन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, टोरेंट पॉवर, आधार सेवा केंद्र, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, पेंशन योजना, मनरेगा, डे-एनआरएलएम्, स्वास्थ विभाग, कृषि विभाग, समाज कल्याण विभाग इत्यादि ने स्टाल लगाया और सघन रूप से पात्र हितग्राहियों को लाभ देने का प्रयास किया । इस शिविर में तीन दिनों में कुल 934 लाभार्थीयों ने आगे बढ़कर आवेदन किया जिसमें ज्यादातर आवेदनों का निपटारा हो चुका है। इस विशेष कैंप में दुधनी ग्राम पंचायत, की आंम जनता ने माननीय प्रशासक श्री प्रफुल भाई पटेल का आभार व्यक्त किया और लोगो ने इस प्रयास की काफी सराहना की।

दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के माननीय प्रशासक श्री प्रफुलभाई पटेल के कुशल मार्गदर्शन में जिला दादरा एवं नगर हवेली के खेरडी ग्राम पंचायत के गाँव करजगाम में दिनांक २८/०८/२०२४ को "सरकार आपके द्वार" केम्प रखा गया जिसमे प्रशासन के कई अधिकारी एवं ग्राम पंचायत के चुने हुए सदस्य उपस्थित थे। "सरकार आपके द्वार" कैंप में खेरडी ग्राम पंचायत की आम जनता के लिए 13 विभिन्न विभाग जैसे मामलातदार, ग्राम पंचायत खेरडी, गैस कनेक्शन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, टोरेंट पॉवर, आधार सेवा केंद्र, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, पेंशन योजना, मनरेगा, डे-एनआरएलएम्, स्वास्थ विभाग, कृषि विभाग, समाज कल्याण विभाग इत्यादि ने स्टाल लगाया और सघन रूप से पात्र हितग्राहियों को लाभ देने का प्रयास किया। इस शिविर में कुल ११८ लाभार्थीयों ने आगे बढ़कर आवेदन किया जिसमे ज्यादातर आवेदनो का निपटारा हो चुका है। इस विशेष कैंप में खेरडी ग्राम पंचायत के करजगाम गाँव की आम जनता ने माननीय प्रशासक श्री प्रफुल भाई पटेल का आभार व्यक्त किया और लोगो ने इस प्रयास की काफी सराहना की।

संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल ने दादरा नगर हवेली के अंतरियाल क्षेत्रों में रहने वाली आदिवासी जनता के घर के द्वार तक प्रशासनिक अधिकारियों को पहुंचकर सरकार आपके द्वार अभियान के तहत लोक दरबार एवं विशेष शिविरों का आयोजन कर आदिवासियों की समस्याओं का स्थल पर ही समाधान करने का निर्देश दिया है। इसी निर्देश के तहत संघ प्रदेश थ्रीडी के प्रशासनिक अधिकारी आदिवासी जनता के बीच में बैठकर उनकी समस्याओं एवं विकास जरुरतों को लगातार समझ रहे है और विशेष शिविर का आयोजन कर उसका समाधान भी कर रहे है। आज दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में दादरा नगर हवेली जिले के दुधनी ग्राम पंचायत के सभी गाँव (दुधनी और करचोंड) में 23/08/24 को सुबह 11:30 बजे से सरकार आपके द्वार लोक दरबार आयोजित की गई। इस लोक दरबार में प्रशासन के कई अधिकारी एवं जिला पंचायत के चुने हुए सदस्य उपस्थित रहे। इस सभा में ग्रामीणजनों की स्थानीय समस्याओं को सुना एवं उसके लिए समय सीमा में समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए गये। जनता की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इसके निवारण हेतु दुधनी ग्राम पंचायत के ग्रामीण क्षेत्रों में राशन कार्ड, विभिन्न आवश्यक दाखिला, पेंशन, बिजली कनेक्शन इत्यादि के लिए विशेष कैंप लगाने के लिए विभिन्न विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गए और ग्राम पंचायत के सभी विभिन्न समस्याओं को जल्द से जल्द हल करने का प्रयास किया जाएगा। दुधनी ग्राम पंचायत की आम जनता ने प्रशासक प्रफुल पटेल का आभार व्यक्त किया और लोगों ने इस प्रयास की काफी सराहना की।

संघ प्रदेश के तीनों जिलों में विविध खेल स्पर्धा का आयोजन

डेयर टू शेयर (संवाददाता)

दमण। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फिट इंडिया स्वप्न को साकार करने के लिए भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल दिवस के आयोजन का संकल्प लिया है। इसके तहत 29 अगस्त2024 को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द जयंती के अवसर पर भारत के प्रत्येक जिले में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जाएगा। इसका मूल उद्देश्य भारत को शारीरिक रूप से फिट एवं तंदुरूस्त रखना तथा स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इस संदर्भ में भारत सरकार के खेल विभाग युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सचिव ने अर्ध-सरकारी पत्र जारी कर सभी राज्यों और संघ प्रदेशों से यह अनुरोध किया है कि लोगों में खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के लिए 29 अगस्त 2024 हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जाए। साथ ही संघ प्रदेश के तीनों जिलों में विविध खेल स्पर्धा का आयोजन किया जाए जिसमें अधिक से अधिक जनभागीदारी हो। इस खेल स्पर्धा का मुख्य उद्देश्य है देश के युवा फिट रहने की मुहीम से जुड़ सकें और समाज एवं देश को फिट रखने की कवायद में अपना योगदान दे सकें। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली तथा दमण एवं दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में तथा खेल एवं युवा मामले के सचिव डॉ. अरुण टी के निर्देशानुसार और खेलकूद निदेशक अरूण गुप्ता के सहयोग से संघ प्रदेश में राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया जा रहा है। प्रशासन द्वारा दमण मे खो-खो (अंडर 19 गर्ल्स), टग ऑफ़ वॉर (अंडर 19 बॉयज, गर्ल्स एवं मिक्स और ओपन मेन्स, वुमेन्स एवं मिक्स) टेबल टेनिस (ओपन मेन्स, वुमेन्स), टेनिस क्रिकेट (अंडर19 बॉयज), लंगड़ी (अंडर 19 गर्ल्स), बीच सॉकर (ओपन मेन्स), प्लैन्क चैलेंज (ओपन मेन्स एवं वुमेन्स), मलखंभ (डेमॉन्स्ट्रैशन), दादरा एवं नगर हवेली में लेमन स्पून रेस(अंडर 14 बॉयज एवं गर्ल्स), लगोरी (अंडर 14 बॉयज एवं गर्ल्स), हॉकी (पेनाल्टी शूटआउट) (अंडर 17 बॉयज एवं गर्ल्स), टग ऑफ़ वॉर (अंडर 17 बॉयज एवं गर्ल्स), फुटसल (अंडर 19 बॉयज एवं गर्ल्स), बैडमिंटन (अन्डर 19 बॉयज एवं गर्ल्स) एवं दीव में टेबल टेनिस (ओपन मेन्स, वुमेन्स), वॉलीबॉल (ओपन गर्ल्स), लेमन रेस (ओपन वुमेन्स), सैक रेस (ओपन वुमेन्स) इन जैसे खेल स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि खुद को स्वस्थ रखते हुए हमें अपनी इम्यूनिटी को बढ़ान, स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक अभ्यास और खेलकूद नितांत आवश्यक है। लोग खासकर युवा खुद के फिटनेस के प्रति जागरूक होते हुए आम लोगों को जागरूक करने का कार्य करेंगे। प्रशासन आमजन से अपील करता है कि संघ प्रदेश में 27 से 31 अगस्त 2024 तक हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द के जन्म जयंती पर आयोजित होनेवाले खेल स्पर्धा में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर खेल स्पर्धा का हिस्सा बने तथा खुद को फिट रखते हुए देश को फिट रखने में अपनी अहम भूमिका अदा करें। अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित नंबर दमण 7698380585, दादरा नगर हवेली- 9979627324 और दीव- 9898382855 पर संपर्क करे।

सिलवासा कला केंद्र में समग्र शिक्षा के तहत रंगोत्सव 2024-25 का आयोजन

डेयर टू शेयर (संवाददाता)

सिलवासा। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव शिक्षा विभाग, समग्र शिक्षा के अंतर्गत जिला स्तरीय रंगोत्सव 2024-25 के कार्यक्रम का आयोजन हालहीं में कला केंद्र ऑडिटोरियम हॉल सिलवासा में किया गया।

इसमें कुल 4 विभाग बनाए गए थे सभी विभाग की थीम अलग-अलग थी। पहला खानवेल विभाग एक भारत-श्रेष्ठ भारत, दूसरा दपाड़ा विभाग स्थानिक कला एवं संस्कृति, तिसरा गलोंडा विभाग निपुण भारत -एक लक्ष्य, चौथा सिलवासा विभाग पर्यावरण सुरक्षा एक संदेश। इन सभी थीम पर 22 क्लस्टर से लोकनृत्य, नाटक, कथा-कथन, नृत्य, लोकगीत, कहानी आदि की 22 कृति का प्रदर्शन किया गया। इस रंगोत्सव में एक भारत- श्रेष्ठ भारत थीम में प्रथम स्थान सीपीएस करचोंड एवं द्वितीय स्थान पीएस चिखलीपाड़ा क्लस्टर दूधनी ने प्राप्त किया। स्थानीय कला एवं संस्कृति थीम में प्रथम स्थान पी.एस शिगाडपाड़ा क्लस्टर दपाड़ा गुजराती माध्यम एवं द्वितीय क्रमांक सीपीएस वसोणा ने प्राप्त किया। निपुण भारत थीम में प्रथम स्थान सीपीएस फलांडी गुजराती माध्यम एवं द्वितीय स्थान पीएस खोरीपाड़ा रांधा ने प्राप्त किया। जबकि पर्यावरण सुरक्षा थीम में प्रथम स्थान सीपीएस सिलवासा अंग्रेजी माध्यम एवं द्वितीय स्थान पृथ्वीराज चौहान अंग्रेजी माध्यम ने प्राप्त किया। विजेता टीम को ट्रॉफी तथा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस रंगोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सहायक राज्य परियोजना निदेशक परितोष शुक्ला ने कहा कि आज जो छात्र अपनी कला की प्रस्तुति करने आए यह छात्र भविष्य में अपनी कला एवं संस्कृति का जतन करेंगे। साथ इस मंच का अनुभव छात्रों को भविष्य में होने वाली रंगोत्सव एवं कला उत्सव कार्यक्रम में उपयोगी होगा। कार्यक्रम के अंत मे प्राथमिक जिला शिक्षा अधिकारी जयेश भंडारि अपने वक्तव्य में बताया कि ग्रामीण विद्यालयों से आए बच्चों ने भी अपनी प्रतिभाओं का अदभुत प्रदर्शन किया एवं सभी शिक्षकों से अनुरोध किया कि सभी विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर अपनी प्रतिभा उजागर करने का अवसर प्रदान करे। यह रंगोत्सव कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा सचिव अरूण टी एवं शिक्षा निदेशक जतिन गोयल के मार्गदर्शन हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा अधिकारी बलवंत पाटिल, शिक्षा अधिकारी राजेंद्र मोहिले, शिक्षा अधिकारी गौरांग वोरा, डीपीसीओ डॉ सतीश पटेल, बीआरसी ए. एस.वोहरा ने उपस्थित रहकर कलाकारों को प्रोत्साहित किया। रंगोत्सव को सफल बनाने में समग्र शिक्षा की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दमण में मॉनसून फेस्टिवल के तहत मैराथन का आयोजन

डेयर टू शेयर (संवाददाता)

सिलवासा। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली तथा दमण एवं दीव प्रशासन द्वारा मॉनसून फेस्टिवल 2024 के उपलक्ष्य में प्रशासक प्रफुल पटेल के दिशानिर्देश से दमण में महिला एवं पुरुषों के लिए मैराथन का आयोजन किया गया। इस मैराथन प्रतियोगिता में कुल 6 केटेगरी जिसमें अंडर 14 गर्ल्स एवं बॉयज, अंडर 17 गर्ल्स एवं बॉयज और ओपन मेंस और वुमेंस का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन 21 अगस्त 2024 को लाइट हाउस बीच पर किया गया। विभाग के अधिकारियों द्वारा हरी झंडी दिखाकर मैराथन प्रतियोगिता की शुरुआत की गई। इस प्रतियोगिता में ८00 खिलाडियों ने बढ़- चढ़कर भाग लिया। मैराथन प्रतियोगिता के अंडर 14 बॉयज में पहला स्थान : हिमांशु कुमार, दूसरा स्थान : सोमेश कुमार, तीसरा स्थान : मयंक शुक्ला , चौथा स्थान : दास नसीब, पाँचवा स्थान : आशुतोष यादव, अंडर 14 गर्ल्स में पहला स्थान : आयुषी गरेल, दूसरा स्थान : हेतवी चौहान, तीसरा स्थान : ट्विकल राव, चौथा स्थान : माही राव, पाँचवा स्थान : निधि नायक ने प्राप्त किया। अंडर 17 बॉयज में पहला स्थान : स्नेहल गरेल, दूसरा स्थान : कारन राजभर, तीसरा स्थान : अनुराग सिंह , चौथा स्थान : सत्यम वर्मा, पाँचवा स्थान : अनिकेत सिंह और अंडर 17 गर्ल्स में पहला स्थान : पूजा महतो, दूसरा स्थान : फिजा ख़ान, तीसरा स्थान : शिवानी शर्मा, चौथा स्थान : पिंकी यादव, पाँचवा स्थान : रागनी सिंह, ओपन मेंस में पहला स्थान : जितेंद्र प्रजापति, दूसरा स्थान : केतन मांगेला, तीसरा स्थान : सागर त्रिमाली, चौथा स्थान : इनायत ख़ान, पाँचवा स्थान : नितेश रावत, ओपन वुमेंस में पहला स्थान : श्रुति, दूसरा स्थान : प्रीति, तीसरा स्थान : रश्मि, चौथा स्थान : अंशु, पाँचवा स्थान: श्वेता दावने विजेता बने। विजेता खिलाडियों को खेल विभाग अधिकारी अक्षय कोटलवार एवं तालुका खेल संयोजक देवराज सिंह राठोड द्वारा ट्रॉफी, मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस इवेंट को सफल बनाने के लिए खेल विभाग के स्पोर्ट्स कोच एवं स्टाफ और विभिन्न विद्यालयों के शारीरिक शिक्षा शिक्षकों ने अपना योगदान दिया।

गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जीएनएलयू सिलवासा कैंपस में नवनिर्मित मूट कोर्ट हॉल, लीगल एड क्लिनिक और लाइब्रेरी का उद्घाटन

डेयर टू शेयर (संवाददाता)

सिलवासा। भारत के सर्वोच्च न्यायालय की न्यायाधीश और गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की चांसलर माननीय न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी ने गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के सिलवासा परिसर में नवनिर्मित मूट कोर्ट हॉल, लाइब्रेरी और कानूनी सहायता क्लिनिक का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद उन्होंने कला केंद्र में छात्रों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र में भाग लिया। इस सत्र के दौरान न्यायमूर्ति बेला एम. ने जीएनएलयू के छात्रों को संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और

दमण- दीव के प्रशासन से उपहार में दिए गए लैपटॉप का वितरण न्यायमूर्ति त्रिवेदी के हाथों से हुआ। इस अवसर पर गुजरात उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश न्यायमूर्ति इलेश जसवन्तराय वोरा, गुजरात राज्य के महाधिवक्ता कमल बी. त्रिवेदी, वरिष्ठ वकील, गुजरात उच्च न्यायालय धर्मिष्ठा रावल, सिलवासा जिला न्यायालय की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती एस. एस. सपटणेकर, केंद्रशासित प्रदेश के उच्च शिक्षा निदेशक शिवम तेवतिया और अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत कला केंद्र में गर्मजोशी से पारंपरिक स्वागत के साथ हुई, जहां छात्रों ने क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन करते हुए भरतनाट्यम और तारपा नृत्य सहित सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किए। अपने संबोधन में माननीय न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी ने कहा कि आज उद्घाटन की गई सुविधाएं जीएनएलयू छात्रों की कानूनी शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। कानूनी सहायता क्लिनिक वंचितों, विशेषकर स्थानीय आदिवासी लोगों के लिए एक वरदान होगा।

उन्हें मुत कानूनी सहायता उपलब्ध होगी जबकि छात्रों को व्यावहारिक अनुभव मिलेगा। इसी तरह मूट कोर्ट हॉल छात्रों को वास्तविक दुनिया की कानूनी चुनौतियों के लिए तैयार करने में मदद करेंगे। जीएनएलयू के निदेशक प्रो. (डॉ.) एस. शांताकुमार ने अपने स्वागत भाषण में गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के सिलवासा परिसर की स्थापना और विकास के लिए उनके समर्थन और दृष्टिकोण के लिए केंद्र शासित प्रदेश के प्रशासक प्रफुल पटेल को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सिलवासा में हम विश्व स्तरीय कानूनी शिक्षा प्रदान करने और स्थानीय समुदाय की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मुंबई में 57वें युवा महोत्सव का आयोजन, सिलवासा के एसडीएमसी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड साइंस समेत 75से भी अधिक महाविद्यालयों ने हिस्सा लिया

डेयर टू शेयर (संवाददाता)

सिलवासा। मुंबई विश्वविद्यालय के सौजन्य से के.एल तिवारी अभियांत्रिकी महाविद्यालय,मीरा रोड,मुंबई में 57वें युवा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें सिलवासा के श्रीमती देवकीबा मोहनसिंहजी चौहान कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड साइंस समेत 75से भी अधिक महाविद्यालयों ने भाग लिया।

श्रीमती देवकीबा मोहनसिंहजी चौहान कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड साइंस के संस्कृतिक विभाग के अंतर्गत छात्रों ने भाग ले कर 17 विभिन्न प्रतियोगिताओं के तहत अपनी कला और प्रतिभा ना केवल लोहा मनवाया बल्कि अंचलिक स्तर पर भाग लेकर पुरस्कार प्राप्त किये गये। जिनमे कोलाज मेकिंग प्रतियोगीता में भूपेन्द्र मेडतिया को सांत्वना पुरस्कार, प्रतिभा पटेल एवं क्षमा परवीन को डिबेट ग्रुप बी इंग्लिश मे द्वितीय पुरस्कार, नाजीआ रानधापुरा ने एलोक्यूशन ग्रुप बी इंग्लिश में द्वितीय पुरुस्कार,शिवानी त्रिपले को एलोक्यूशन ग्रुप ए मराठी मे द्वितीय पुरुस्कार प्राप्त हुए।महाविद्यालय के कुल 41 प्रतिभागी , 3 संगीत वादक एवं 7 स्वयसेवक विद्यर्थियो ने श्रीमति देवकीबा मोहनसिंह जी चौहान कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड साइंस की और से 57वे युवा महोत्सव में प्रतिनिधित्व किया । संस्था के चेयरमैन श्री फतेहसिंह जी चौहान, प्रभारी प्रचार्या डॉ सीमा पिल्लई, उप प्रभारी प्रचार्या डॉ जाह्नवी आरेकर तथा सांस्कृतिक समिति के सदस्यो द्वारा सभी प्रतिभागियों एवं पुरस्कृत विजेताओ का उत्साह वर्धन किया गया।इस मौक़े पर संस्था के चेयरमैन श्री फ़तेहसिंह जी चौहान जी ने कहा की "किसी भी देश के विकास के लिए युवा पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता होती है , जीवन ने हमें एक बहुत बड़ा और महान उपहार दिया है और वह है युवावस्था। जब व्यक्ति युवा होता है, और अक्सर इसका मतलब बचपन और वयस्कता (परिपक्वता) के बीच का समय होता है। जीवन के इस चरण में, युवा हमेशा कल्पना या स्वतंत्रता और अपनी प्रतिक्रिया चुनने की शक्ति से प्रेरित होता है। लेकिन यह सब सावधानी से किया जाना चाहिए और हर कदम की योजना बनानी चाहिए।हम किसी देश के युवाओं के बिना परिवर्तन या प्रगति नहीं कर सकते। हम इस बात के साक्षी हैं कि किसी भी देश के विकास के लिए युवा पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी

की आवश्यकता होती है। किसी भी देश के लिए, किसी भी क्षेत्र में, चाहे वो तकनीकी क्षेत्र हो या खेल का क्षेत्र, युवाओं की जरूरत होती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम किस क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम युवाओं को इस भूमिका को सही ढंग से निभाने में मदद करे। हमे खुशी है की हमारा कॉलेज और यहाँ का पूरा स्टॉफ युवा छात्रों का भविष्य गढ़ने और उचित मार्गदर्शन देने मे हर संभव प्रयास करते है और छात्रों को तमाम जरूरी सुविधायें और प्लेटफॉर्म मुहैया करवाते हैं जिनकी उन्हे जरूरत है।" महाविद्यालय आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए भी विद्यार्थीयों को ढेरों बधाई देता है।

लायंस इंग्लिश स्कूल में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर दही - हांडी उत्सव का आयोजन

डेयर टू शेयर (संवाददाता)

सिलवासा। लायंस इंग्लिश स्कूल में 24अगस्त 2024,शनिवार को श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में दही-हांडी उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय को फूलों से सजाया गया एवं भगवान श्री कृष्ण के बाल स्वरूप की झांकी बनाई गई। विद्यालय की प्रातःकालीन प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों द्वारा भगवान श्री कृष्ण जी की लीलाओं का वर्णन किया गया एवं उनके जीवन के प्रेरक प्रसंग प्रस्तुत किए गए।

इस कार्यक्रम में विद्यालय के छोटे छोटे बच्चों ने राधारानी एवं भगवान श्री कृष्णजी की वेशभूषा में अपनी-अपनी प्रस्तुति दी जिसने सभी का मन मोह लिया। सांस्कृतिक विरासत के इस आयोजन में लायंस क्लब

ऑफ सिलवासा चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष महोदय माननीय श्री फतेहसिंहजी चौहान,उपाध्यक्ष महोदय श्री अनंतरावजी डी निकम,सचिव महोदय श्री कुलदीप सिंह मूंदरा,कोषाध्यक्ष श्री विश्वेष दवे,संयुक्त कोषाध्यक्ष श्री हीराभाई पटेल एवं विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्या श्रीमती निराली पारेख द्वारा भगवान श्री कृष्ण के बालस्वरूप के समक्ष दीप प्रज्वलन के बाद आरती की गई जिसमें विद्यालय के सभी शिक्षकगण एवम् छात्र उपस्थित रहे।

तत्पश्चात विद्यालय के प्रांगण में विद्यार्थियों ने मानव पिरामिड बनाकर संगीत की धुन के साथ सुविधाजनक ऊंचाई पर बंधी हुई दही-हांडी को फोड़ा।आज के इस शुभ अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष महोदय श्री फतेहसिंहजी चौहान ने भारतीय संस्कृति एवं देशप्रेम की भावना को बनाए रखने के लिए अपना संबोधन नमस्कार एवं जय हिन्द से प्रारंभ किया एवं लायंस इंग्लिश स्कूल परिवार की प्रभारी प्रधानाचार्या एवं सभी शिक्षकगण को इस गौरवशाली परंपरा का विद्यालय में निर्वहन करने का निर्देश दिया।इस आनंदमय कार्यक्रम का समापन प्रसाद वितरण के साथ किया गया।

संघ प्रदेश में एचआईवी संक्रमण रोकने के लिए सघन जागरूकता अभियान का हुआ शुभारंभ

डेयर टू शेयर (संवाददाता)

सिलवासा।संघ प्रदेश प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन और दिशा निर्देशानुसार एचआईवी एड्स के बारे में जागरूकता हेतु राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा सघन जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई है। जिसे संघ प्रदेश के तीनों जिलो में लागू किया गया है, और यह अभियान दो महीने तक जारी रहेगा। एड्स नियंत्रण संस्थान द्वारा सघन जागरुकता अभियान की शुरुआत कार्यक्रम द्वारा की गई। यह कार्यक्रम सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज दमण के सेमिनार हाल में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संयुक्त सचिव (स्वास्थ्य) / परियोजना निदेशक (एड्स नियंत्रण संस्थान) / एमडी (एनएचएम) उपस्थित रहे।साथ ही अन्य आमंत्रित अधिकारी इंचार्ज (एड्स नियंत्रण संस्थान), सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज दमण के प्रिंसिपल एवं निट निदेशक उपस्थित रहे। सघन जागरूकता अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम किए गये क जिसमें नुक्कड नाटक, प्रेरक भाषण, वीडियो शो एवं एड्स के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।

उप-जेल सिलवासा में एचआईवी-टीबी स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया गया था। इस अभियान के तहत पूरे प्रदेश में दो महीने तक सभी गाँव, स्वास्थ्य केन्द्रों, स्कूल एवं कॉलेज, सभी पंचायत में जागरूकता कार्यक्रम किया जाएगा।इस अभियान के अंतगर्त कई कार्यक्रम किए जाएंगे। रेड रिबन क्लब द्वारा सभी स्कूल कॉलेज में विभिन्न कार्यक्रम किए जाएंगे जैसे पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, स्किट शामिल हैं। संवेदीकरण कार्यक्रम द्वारा अलग- अलग समुदायों के साथ जनजागृति कार्यक्रम एवं स्क्रीनिंग कैम्प, पीएचसी/ सीएचसी/ एसडीएच में एड्स विषय कार्यक्रम, आशा/ एएनएम द्वारा गाँव-गाँव में आईईसी सामग्री का वितरण एवं स्वास्थ्य जाँच, नुक्कड नाटक / ऑडियो स्पॉट द्वारा पूरे प्रदेश में जागृति एवं एड्स द्वारा दी जाने वाले सुविधाओं की जानकारी, इ४''२ रटर द्वारा निवारक संदेश जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। आज के इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी को अनुरोध किया गया है कि आप सभी इस अभियान में अपना सहयोग दें एवं एड्स मुक्त प्रदेश की ओर आगे बढ़े। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में जनजागृति फैलाएं जिससे आने वाले समय में नए एचआईवी संक्रमण को रोका जा सके।

जम्मू कश्मीर उधमपुर उप आयुक्त सलोनी राय द्वारा दानह भारत स्काउट गाइड सम्मानित

डेयर टू शेयर (संवाददाता)

सिलवासा। भारत सरकार खेल मंत्रालय एवं युवा मामले के अंतर्गत दानह भारत स्काउट गाइड ने 7 दिवसीय 3 अगस्त से 9 अगस्त तक अमरनाथ एवं वैष्णो देवी यात्रा का आयोजन किया। जिसमें 10 राज्यों के कुल 47 सदस्यों ने शामिल होकर सफल बनाया। जिसमें जम्मू कश्मीर उधमपुर जिला उप आयुक्त सलोनी राय के मार्गदर्शन में अंतिम सोमवार के साथ अमरनाथ एवं वैष्णो देवी यात्रा सफल हुई। इसमें कुल 10 राज्य दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव, गुजरात, राजस्थान, ईस्ट कोस्ट रेलवे, साउथ ईस्टर्न रेलवे, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एवं बिहार राज्य से सदस्य सम्मिलित हुए। जिसमें समापन समारोह में मुख्य अथिति के रूप में उपस्थित जम्मू कश्मीर उधमपुर उप समाहर्ता जोगिंद्र सिंह जसरोटीया के साथ साथ ऊधमपुर जिला भारत स्काउट एवं गाइड जिला उपाध्यक्ष रेणु शर्मा, जिला मुख्यालय आयुक्त विद कुमार, जोनल आयुक्त विमल शर्मा, जिला सचिव वीना शर्मा, स्काउट मास्टर राकेश शर्मा, सक्रिय रेंजर सदस्य पल्लवी राजपूत एवं सभी जम्मू एवं कश्मीर

अधिकारीगण एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। जिसमें जोगिंद्र सिंह जसरोटीया ने सलोनी राय की ओर से सभी प्रतिभागियों को अमरनाथ यात्रा एवं वैष्णो देवी यात्रा सफलतापूर्वक पूर्ण एवं संपन्न होने की हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं दानह भारत स्काउट गाइड के क्रियाकलापों की सराहना भी किया। साथ ही दानह भारत स्काउट गाइड द्वारा शाल, स्मारिका एवं प्रमाण पत्र भेंटकर सभी प्रतिभागियों को हौंसला बढ़ाया।

दूरसंचार विभाग ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग दमण के सहयोग से कॉल बिफोर यू डिग ऐप पर किया कार्यशाला

डेयर टू शेयर (संवाददाता)

सिलवासा। दूरसंचार विभाग ने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग दमण के सहयोग से कॉल बिफोर यू डिग ऐप पर एक सफल कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यक्रम सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज दमण में हुआ। इसमें केंद्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण और दीव के भीतर दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, गैस एजेंसियों और अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधियों सहित प्रमुख हितधारकों ने भाग लिया। सीबीयूडी ऐप ऑप्टिकल फाइबर केबल, पानी पाइपलाइन, इलेक्ट्रिक केबल और गैस पाइपलाइन सहित भूमिगत उपयोगिता संपत्तियों को आकस्मिक क्षति को रोकने के लिए विकसित एक महत्वपूर्ण उपकरण है। उत्खनन एजेंसियों और उपयोगिता सेवा प्रदाताओं के बीच एक महत्वपूर्ण इंटरफेस प्रदान करके, ऐप नियोजित गतिविधियों के बेहतर समन्वय को सक्षम बनाता है, जिससे आवश्यक बुनियादी ढांचे की रक्षा होती है। ऐप उपयोगिता मालिकों को सूचित करने की अनुमति देता है जब उनकी संपत्ति प्रस्तावित उत्खनन स्थलों के पास होती है, जिससे एक आसान प्रक्रिया और बेहतर समन्वय सुनिश्चित होता है। इस सक्रिय दृष्टिकोण से नुकसान कम होने और अनधिकृत खुदाई गतिविधियों पर अंकुश लगने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, ऐप सरकार को बिना सूचना या अनधिकृत उत्खनन कार्य की निगरानी करने का अधिकार देता है। सीबीयूडी ऐप भारत सरकार के दूरसंचार विभाग की एक अभिनव पहल मार्च 2023 में प्रधानमंत्री द्वारा देश भर में लॉन्च किया गया था। इसके लॉन्च के बाद से इसने बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस दौरान कमल पंवर, सलाहकार-सहायक निदेशक, (ग्रामीण), विभाग दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय, भारत सरकार, अहमदाबाद, अविनाश खत्री, सहायक महानिदेशक, (ग्रामीण), विभाग दूरसंचार विभाग, संचार मंत्रालय, भारत सरकार अहमदाबाद, पटेल स्मित अंबालाल, वरिष्ठ सॉटवेयर डेवलपर, भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू-सूचना विज्ञान संस्थान (बीआईएसएजी- एन), गुजरात अहमदाबाद, डॉ. अरुण गोवाडा, सहायक निदेशक (आईटी), डीडी ने पूरी आईटी टीम के साथ कार्यशाला की मेजबानी की। इस कार्यशाला में जिला पंचायत डीएनएच एवं डीडी, बिजली विभाग दानह एवं दमण-दीव, लोक निर्माण विभाग, डीएनएच एवं डीडी, बीएसएनएल, टोरेंट पावर, बीबीएनएल, बीडीओ दमण, डीएनएचडीडी, पीडीसीएल (टोरेंट पावर), आरआईएल, जियो, दमण नगरपालिका परिषद, सिलवासा नगरपालिका परिषद, भारती एयरटेल, गुजरात गैस, इंडियन ऑयल, अदानी गैस, सिलवासा स्मार्ट सिटी एवं दानी एजेंसी ने हिस्सा लिया।

HITESH K. BHANDARI
B.A., LL.B.
(ADVOCATE & NOTARY)

Office at: 239, 2nd Floor, Land Mark,
Tokarkhada. SILVASSA- 396 230.
(U. T. of D. & N. H)
-Mobile : 98245 98844
-Email : hitesh10_bhandari@yahoo.co.in

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the Public that my client has agreed to purchase Shop No. 4 admeasuring 200 Sq. Fts., situated on the Ground Floor of Building Known as "VANZARIYA COMMERCIAL COMPLEX" constructed on the N.A. Land of Survey No. 31/1/3 of Village Amli of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli and Daman, Diu.

That SHRI HASMUKHBHAI MANCHHUBHAI ROHIT, is the absolute owner and possessor of Shop No. 4 admeasuring 200 Sq. Fts., situated on the Ground Floor of Building Known as "VANZARIYA COMMERCIAL COMPLEX" constructed on the N.A. Land of Survey No. 31/1/3 of Village Amli of the Union Territory of Dadra and Nagar Haveli and Daman, Diu. That SHRI HASMUKHBHAI MANCHHUBHAI ROHIT, had purchased the said property from Shri Sanjay Gopalbhai Chauhan, vide Sale Deeds dated 15th July, 2008 registered with Sub-Registrar, Dadra and Nagar Haveli, Silvassa under Sr. No. 2923/2008 dated 15/07/2008 and Shri Sanjay Gopalbhai Chauhan, had purchase the said Shop from Shri Aytulbhai Lachiyabhai Dhodi, vide Sale Deeds dated 08th March, 2007 registered with Sub-Registrar, Dadra and Nagar Haveli, Silvassa under Sr. No. 805/2007 dated 08/03/2007. And under the Sr. No. 805/2007 dated 08/03/2007. The above said original sale deed & Original Sale Deed's registration receipt executed between Shri Sanjay Gopalbhai Chauhan and Shri Aytulbhai Lachiyabhai Dhodi. and the said documents original sale deed & Original Sale Deed's registration receipt is lost by them. All person are hereby informed not to deal or carry out any transaction with anyone on the basis of the said missing documents. If anyone has already carried out or being carried out kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within **7 days** from this present.

Place: Silvassa.
Date: 22/08/2024

HITESH K. BHANDARI · ADVOCATE · SILVASSA, D.&N.H.

(HITESH K. BHANDARI)
Advocate & Notary for Client
Office at: 239, 2nd Floor, Land Mark,
Tokarkhada. SILVASSA- 396 230.
(UT of Dadra & Nagar Haveli)
Email:-hitesh10_bhandari@yahoo.co.in
Mob.–98245 98844

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशकः संध्या चौहान द्वारा 15,78, सी-6-2, खारीवाड नानी दमण (दमण एवं दीव) से प्रकाशित तथा ताप्तीलोक पब्लिकेशन, 152,153, श्री राम इंडस्ट्रीयल इस्टेट, मोजे भेडवार, पांडेसरा, सूरत से मुद्रित।
संपादक : मनोज रावल, मोबाइल नं. 8000360011 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दमण होगा।